



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 1, 1977/माघ 12, 1898

No. 33]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 1, 1977/MAGHA 12, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February 1977

**G.S R. 50(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of Clause (a) of sub-section (7) of Section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby specifies the following companies as the companies to which no provision of Section 58A of the Companies Act, 1956 shall, for the purposes of that sub-clause, apply, namely:—

- (a) a company which is a small scale industrial unit with paid-up capital and free reserves not exceeding three lakhs of rupees in the aggregate, and which invites or accepts deposits from not more than fifty persons;
- (b) a company which is a small scale industrial unit which invites or accepts deposits, and whose outstanding deposits at any time do not exceed the aggregate of its paid-up capital and free reserves.

*Explanation*—For the purposes of this notification,

- (i) in arriving at the aggregate of the paid-up capital and free reserves, Explanation 2 to Rule 3 of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975 (hereafter referred to as the said rules) shall apply;
- (ii) "deposit" has the same meaning as in clause (b) of rule 2 of the said rules,
- (iii) "free reserves" has the same meaning as in clause (d) of rule 2 of the said rules;
- (iv) "small scale industrial unit" means any industrial undertaking registered with the Directorate of Industries or Small Scale Industries, as the case may be, of the State Government, in respect of which the investment in plant and machinery is not in excess of ten lakhs of rupees in value.

[No. 1/86/75-CL XIV-Vol. II]

A. CHOUDHURY, Jt Secy.

### वित्त, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

#### कम्पनी कार्य विभाग

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1977

सा० का० नि० 50 (अ) —केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 58क की उपधारा (7) के खण्ड(क) के उपखण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित कम्पनियों को ऐसी कम्पनी के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिस पर कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 58क का कोई उपबन्ध, उस उपखण्ड के प्रयोजनार्थ, लागू नहीं होता, अर्थात् :—

(क) कम्पनी जो ऐसी लघु उद्योग एकक के जिसकी समादत्त पूंजी और मुक्त आरक्षित कुल मिलाकर 3 लाख रुपये से अनधिक है और जो पचास से अनधिक व्यक्तियों से निक्षेप आमन्त्रित या प्रतिग्रहीत करती है :

(ख) कम्पनी जो ऐसी लघु उद्योग एकक है जो निक्षेप आमन्त्रित या प्रतिग्रहीत करती है और जिसका बकाया निक्षेप उसकी कुल समादत्त पूंजी और मुक्त आरक्षित से किसी समय अधिक नहीं होती ।

**स्पष्टीकरण**—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए

- (i) समादत्त पूंजी और मुक्त आरक्षित का योग निकालने में कम्पनी (निक्षेपों का प्रतिग्रहण) नियम, 1975 (इसे इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 का स्पष्टीकरण 2 लागू होगा .
- (ii) 'निक्षेप' का वही अर्थ है जो उसे उक्त नियम के नियम 2 के खण्ड (ख) में दिया गया है ।
- (iii) 'मुक्त आरक्षित' का वही अर्थ है जो उसे उक्त नियम के नियम 2 के खण्ड (घ) में दिया गया है ।

- (iv) “लघु औद्योगिक एकक” से अभिप्रेत है ऐसा कोई उपक्रम जो, यथा-स्थिति, राज्य सरकार के उद्योग या लघु उद्योग निदेशालय में रजिस्ट्रीकृत है तथा जिसके प्लान्ट और मशीनरी की बाबत व्यय मूल्य में दस लाख रुपए से अधिक नहीं है ।

[सं० 1/66/75-सी० एल० 14-खण्ड-2]

ए० जोषी, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा निर्यत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

